उत्तर-पुस्तिका-1

हिंदी रतन

BLUE SKY
BOOKS INTERNATIONAL
2647, Roshan Pura, Nai Sarak,Delhi-110006
Phone : 98994 23454, 98995 63454
E-mail : blueskybooks@gmail.com

हिंदी रतन-1

अध्याय-2

1. बस, घर, नहर, सरकस **2.** (क) कप (ख) छत (ग) कमल (घ) बतख (ङ) हवन (च) नयन (छ) थरमस (ज) बचपन। **3.** स्वयं करें।

अध्याय-3

1. चादर, भगवान, बादल, टमाटर **2.** (क) भगवान (ख) अनार (ग) माता (घ) बाजार। **3.** (क) नाराज (ख) गाजर (ग) जहाज (घ) रामायण। **अभ्यास : 1.** किरण, कविता, पिकनिक, किशमिश **2.** किताब, हिरन, साइकिल, गिटार, नारियल **3.** (क) किसान (ख) डाकिया (ग) चिराग (घ) किशमिश। **अभ्यास : 1.** मठरी, गरीब चपरासी, महारानी **2.** मकड़ी, दीपक, फकीर, तितली, पपीता, सीढ़ी। **3.** (क) लड़की (ख) दीपावली (ग) मकड़ी (घ) गिलहरी। **अभ्यास : 1.** दातुन, मधुर, बुखार, पुजारी **2.** स्वयं करें। **3.** (क) दातुन (ख) लुटिया (ग) जामुन (घ) बुलबुल। **अभ्यास: 1.** भालू, कपूर, शहतूत, सूरज **2.** सूरज, बुलबुल, खरबूजा, भालू। **3.** (क) सूरज (ख) पूरब (ग) तराजू (घ) तरबूज। **अभ्यास : 1.** पृथक, कृतज्ञ, मृदुल, अमृतसर **2.** गृह, ऋषि, तृण, घृत, नृप, पृथ्वी **3.** (क) तृण (ख) कृषक (ग) वृक्ष (घ) ऋतिका। **अभ्यास : 1.** मेमना, जलेबी, सुखदेव, अजमेर। **2.** 1. मेज **2.** पेड़ 3. कूड़ेदान **4.** सेब। **3.** (क) चमेली (ख) देखभाल (ग) सहेली (घ) मेहमान। **अभ्यास : 1.** मैसूर, डकैत, शैतान, ततैया। **2.** (क) गवैया (ख) बैल (ग) बैसाखी (घ) बैल। **3.** (क) तैराक (ख) सैनिक (ग) बैसाखी (घ) कैशियर। **अभ्यास : 1.** पोशाक, टोकरी, अखरोट, समारोह। **2.** (क) भोला (ख) भोलू (ग) सरोवर (घ) मोहन। **3.** (क) कोठरी (ख) अखरोट (ग) पड़ोसी (घ) सरोवर। **अभ्यास : 1.** सौरव, चौबीस, दौलत, तौलिया। **2.** लौकी, नौका, पौधा **3.** (क) मौसम (ख) गौशाला (ग) खिलौना (घ) नौकर। **अभ्यास : 1.** चंदन, मंदिर, हँसना, अँगूठा। **2.** बंदर, कुआँ, ताँगा, इंजन, अंगूर, चाँद। **3.** (क) बाँसुरी (ख) कंगन (ग) आँगन (घ) चुकंदर। **अभ्यास : 1.** दु:साहस, दु:शासन, संभवत:, नि:संकोच। **2.** (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓ **3.** (क) मूलत: (ख) संभवत: (ग) अंतत: (घ) नियमत:। **अभ्यास : 1.** दर्पण, भ्रमण, प्रहार, जाग्रत। **2.** सूर्य, ड्रम, टॉर्च, फ्रॉक, ट्रक, सर्प। **3.** (क) दर्जन (ख) द्रोणाचार्य (ग) ग्राम (घ) ड्राइवर।

अध्याय-4. ड़-ढ़ ज़-फ़

सफेद, घड़ी, सीढ़ी, जहाज, रबड़, चित्र, किताब, डॉक्टर।

अध्याय-6 प्रार्थना

1. (क) आदर (ख) सच्चाई (ग) हमेशा (घ) पढ़-लिख। **2.** (क) **प्रणाम-**ईश्वर को प्रणाम करो। (ख) **सच्चाई-**हमेशा सच्चाई के मार्ग पर चलो। (ग) **महान-**हम पढ़-लिखकर महान बनेंगे। (घ) **गुरु-**गुरु का सम्मान कीजिए। (ङ) अपने माता-पिता का सम्मान कीजिए। **3.** (क) बालिका विद्या का वरदान ईश्वर से माँग रही है। (ख) वह गुरुओं का सम्मान करना चाहती है। (ग) बालिका पढ़-लिखकर महान बनना चाहती है। **भाषा-बोध :** (क) ग्रह (ख) प्रण (ग) ट्रक (घ) ड्रम।

अध्याय-7 चुनमुन और टुनटुन

1. (क) मेंढ़क (ख) दही (ग) आशावादी (घ) चुनमुन। **2.** (क) **गहरी-**उन दोनों में गहरी मित्रता थी। (ख) **मित्रता-**आपस में मित्रता रखना अच्छा गुण है। (ग) **संकट-**हमें संकट के समय घबराना नहीं चाहिए। (घ) **कोशिश-**कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। (ङ) **मटका-**मटका दही से भरा था। **3.** (क) चुनमुन और टुनटुन में गहरी मित्रता थी। (ख) चुनमुन मेंढक आशावादी था। (ग) टुनटुन के हार मानने से वह मर गया। (घ) इस पाठ से 'हमें हमेशा कोशिश करते रहने की' प्रेरणा मिलती है। **भाषा-बोध:** आशा-निराशा, थोड़ी-बहुत, गहरी-उथली, हार-जीत, मित्रता-शत्रुता, ऊपर-नीचे।

अध्याय-8 बीरबल की चतुराई

1. (क) अकबर (ख) चतुराई (ग) जादू (घ) घोल (ङ) प्रसन्न। **2.** (क) राजा अकबर के महल में चोरी हुई थी। (ख) अकबर के चतुर मंत्री का नाम बीरबल था। (ग) घड़े में लाल रंग का घोल था। (घ) हाँ, चोर पकड़ा गया था। **भाषा-बोध :** प्रसन्न-खुश, उपस्थित-हाजिर, शक-शंका, प्रसिद्ध-मशहूर, चतुराई-बुद्धिमानी, अत्यंत-बहुत।

अध्याय-9 बूझो तो जानें

इंद्रधनुष, मोर, तरबूज, कठपुतली, तितली।

अध्याय-10. ठीक समय पर

1. ठीक समय पर मौज उड़ाओ, ठीक समय पर गाना गाओ। ठीक समय पर सब कर पाओ, तो तुम बहुत बड़े कहलाओ।। **2.** (क) हमें सभी कार्य समय पर करने चाहिए। (ख) कविता में 'ठीक समय पर' शब्द बार-बार आए हैं। (ग) ठीक समय पर सब कुछ कर पाने से लोग बहुत बड़े कहलाते हैं। **भाषा-बोध :** सोहन नहा रहा है। रवि लिख रहा है। मोनू खाना खा रहा है। चिंटू सो रहा है।

अध्याय-11 धूर्त कौआ

1. (क) बरगद (ख) कौए (ग) रखवाली (घ) वेदना (ङ) बाज। **2.** (क) वन में बरगद का पेड़ था। (ख) कोयल के अंडों की रखवाली कौए ने की। (ग) अंडों में से बच्चे निकल आए। (घ) कोयल के बच्चे अपनी माँ के साथ अपने घोंसले में जा बैठे। (ङ) बाज कौए के बच्चों को उठाकर ले गया। **भाषा-बोध :** अपना-पराया, एक-अनेक, मूर्ख-ज्ञानी, काला-सफेद।

पाठ-13 मुरगा और लोमड़ी

1. (क) लोमड़ी ने मुरगे से (ख) लोमड़ी ने मुरगे से (ग) मुरगे ने लोमड़ी से (घ) लोमड़ी ने मुरगे से। **2.** (क) चालाक लोमड़ी ने मुरगे को देखकर पूछा, ''तुम डाल पर क्या कर रहे हो? मुरगे को तो जमीन पर चलते-फिरते रहना चाहिए। आओ, नीचे उतर आओ।'' (ख) मुरगे ने उत्तर दिया, ''मैं खूँखार जानवरों के डर से यहाँ बैठा हूँ। (ग) लोमड़ी ने मुरगे को समाचार सुनाया कि सभी पशुओं में समझौता हो गया है, अब कोई किसी पर हमला नहीं करेगा। (घ) लोमड़ी बोली, ''सच है, परंतु लगता है कुत्ते ने अभी तक यह समाचार नहीं सुना है।'' यह कहकर वह भाग गई। **भाषा-बोध :** (क) शिकारी (ख) खूँखार (ग) समाचारवाचक (घ) साहसी।

अध्याय-14. दीवाली प्यारी आती है

1. घर का मैल हटाने को। सफेदी से घर साफ कराने को।। लक्ष्मी-गणेश का पूजन करने को। फुलझड़ी, अनार छुड़ाने को।। दीवाली प्यारी आती है। दीवाली न्यारी आती है।। **2.** न्यारा, करवाने, मनाने, बनाने। **3.** (क) दीवाली आने पर घरों की सफाई व रंग-रोगन किया जाता है। (ख) दीवाली पर लक्ष्मी-गणेश का पूजन किया जाता है। (ग) पूजा के लिए धूप, अगरबत्ती, माला, वस्त्र, फल आदि चीजें बाजार से लाई जाती हैं। (घ) स्वयं करें। **भाषा-बोध:** फुलझड़ी, छुड़ाने, खुशी, जुलकर।

अध्याय-15 जन्मदिन का उपहार

1. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ **2.** (क) रमेश के हाथ में एक डलिया थी। (ख) पिल्ला सफेद रंग का था। (ग) पिल्ले का नाम टॉमी रखा गया। (घ) सबने नाश्ते में सूजी का हलवा और ढोकला खाया। **भाषा-बोध :** डलिया, रूई, पिल्ला।

अध्याय-16 हाथी और खरगोश

1. (क) हाथी ने स्वयं से (ख) बंदर ने हाथी से (ग) खरगोश ने हाथी से (घ) कौए ने हाथी से। **2.** स्वयं करें। **भाषा-बोध :** ऊपर-नीचे, आगे-पीछे, काला-सफेद, अंदर-बाहर।